वन उत्पादकता संस्थान

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)

एक दिवसीय वृक्ष उत्पादक मेला सह हितधारक सम्मलेन

दिनांक
21.09.2022

फन पॉइंट रिसोर्ट, हाजीपुर, वैशाली, बिहार

वन उत्पादकता संस्थान, रांची द्वारा आज़ादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत दिनांक 21 सितम्बर 2022 को हाजीपुर के फन पॉइंट रिसोर्ट में "एक दिवसीय वृक्ष उत्पादक मेला सह हितधारक सम्मलेन" का आयोजन किया गया। आयोजन का मुख्य उद्देश्य बिहार के वृक्ष उत्पादक कृषको के लिए बाज़ार की व्यवस्था करना, काष्ठ उधोग से जुड़े उधोगो से कृषको को जोड़ने, कृषि वानिकी में उपयोगी वृक्षों की जानकारी देना, संस्थान की ओर से किये जा रहे वृक्षों की नयी प्रजातियों के शोध से अवगत कराना एवं वनों की वृद्धि से होने वाले प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष लाभों की जानकारी देना है।

आयोजित मेला सह हितधारक सम्मेलन मे मुख्य अतिथि के रुप में गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पंतनगर के प्रोफेसर, डा. सलिल तिवारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. नितिन कुलकर्णी, समूह समन्वयक अनुसंधान डॉ. योगेश्वर मिश्रा तथा वानिकी अनुसंधान एवं प्रसार केंद्र हाजीपुर के प्रभारी अधिकारी डॉ. आदित्य कुमार सहित संस्थान के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। मेले में क्षेत्रीय मुंख्य वन संरक्षक, मुजफ्फरपुर, श्री अभय कुमार द्विवेदी, वन संरक्षक, मुजफ्फरपुर, श्री सी.एस. कर्ण सहित वन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। उक्त सम्मेलन में बिहार के विभिन्न जिलों (दरभंगा, जमुई, भागलपुर, औरंगाबाद, मधुबनी, मोतिहारी, समस्तीपुर इत्यादि) से आये किसान, काष्ठ उद्योग से जुड़े लोग सहित 135 हितधारकों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा दीप प्रजवल्लित कर किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि, अन्य गणमान्य अतिथियों एवं किसानों द्वारा संस्थान एवं अन्य उद्यमियों द्वारा लगाए गये विभिन्न स्टालों का भ्रमण भी किया गया। कार्यक्रम में कृषि वानिकी के माध्यम से आय वृद्धि, बांस की वैज्ञानिक खेती और पूर्वी भारत में महत्वपूर्ण कृषि वानिकी पद्धतियाँ एवम कृषि वानिकी प्रजातियों पर व्याख्यान का आयोजन किया गया तथा किसानों द्वारा कृषि वानिकी के अनुभवों को साझा किया गया। कार्यक्रम में पांच प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया गया तथा कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों एवं अतिथियों ने संस्थान द्वारा कृषि वानिकी के क्षेत्र में किये जा रहे शोध कार्यों एवं नर्सरी क्षेत्र का अवलोकन किया।

एक दिवसीय वृक्ष उत्पादक मेला सह हितधारक सम्मलेन

भारतीय वानिकी अनुसन्धान एवं शिक्षा परिषद्, देहरादून भारत सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की एक स्वायत संस्था है, जो पुरे

भारत वर्ष में वनीय वृक्षों के शोध कार्य अधीनस्थ विभिन्न संस्थानों द्वारा करती रहती है। इस परिषद् का आदर्श वाक्य "वनस्पतयः शांति" है। इस परिषद् का लक्ष्य वानिकी शिक्षा, अनुसन्धान और उनके अनुप्रयोगों को शुरू करना, वानिकी विस्तार कार्यकर्मो को विकसित कर जन-जन तक फैलाना, वानिकी अनुसन्धान, शिक्षा और संबद्ध विज्ञानं के क्षेत्र में परामर्श देना आदि है। वन उत्पादकता संस्थान, राँची भी उन संस्थानों में से एक है।

भारत सरकार के योजना आयोग, पर्यावरण एवं वन विभाग और बिहार सरकार के संयुक्त तत्वाधान में "समुदाय आधारित वन प्रबंधन एवं संरक्षण योजना" को संचालित करने के उद्देश्य से बिहार में वन उत्पादकतासंस्थान, राँची द्वारा वानिकी अनुसन्धान एवं प्रसार केंद्र, पटना की स्थापना वर्ष 2006 में बिहार के कृषको को कृषि वानिकी से जोड़ने के उद्देश्य से की गयी थी। इस योजना में बिहार के वैशाली जिला को चयनित किया गया। इस योजना में जिले के किसानो को अल्प अवधि में तैयार होने वाले पॉप्लर के पौधे को अवगत कराया गया और प्रारंभिक दिनों में उत्तराखंड से पौधे क्रय कर और उपचारित कट्टिंगस बिहार के कृषको के बीच आवंटित किये गये, जिससे किसानो के खेतो में नर्सरी लगाकर एक वर्ष बाद तैयार ई.टी.पी. उनसे क्रय किये गये और उनका फिर से अधिक खेतो में नर्सरी लगाई गयी और तैयार पौधो को वैशाली एवं आस-पास के जुड़े जिलो के किसानो को मुफ्त वितरित किया गया। 25-25 किसानो के 40 समूह को पॉप्लर की नर्सरी की विशेष तकनिकी शिक्षा के लिए उत्तराखंड के वन प्रशिक्षण अकादमी, हल्द्वानी(नैनीताल), वन अनुसन्धानसंस्थान, देहरादून भेजा गया। वैशाली जिला में बांस के कारीगरों को बांस से नए-नए उत्पादों को बनाने की कला सीखने के लिए त्रिपुरा के संस्थान में भेजा गया। इस योजना में 1400 गांवो में लगभग 82 लाख पॉप्लर के ई.टी.पी. लगाये गये और साथ ही अन्य पौधो का भी वितरण किया गया। इस योजना में विभिन्न गांवो में स्थानीय स्तर पर भी प्रशिक्षण कार्य चलाया गया और हाजीपुर के जदुआ में भी सप्ताह के दो दिन प्रशिक्षण दिए गये। इस योजना की सफलता के लिए स्थानीय बेरोजगारों को प्रसार कार्यकर्त्ता बनाया गया, जो समय-समय पर कृषको के खेतो में लगे पौधे की देख-भाल करते थे और उसकी मापन व् अन्य व्यौरा कार्यालय को देते थे।

आयोजित वृक्ष उत्पादक मेला सह हितधारक सम्मलेन की झलकियां

वन उत्पादकता संस्थान, रांची

एक दिवसीय वृक्ष उत्पादक मेला सह हितधारक सम्मलेन

योजना की सफलता को देखते हुए बिहार सरकार के पर्यावरण एवं वन विभाग ने “हरियाली मिशन” की विशेष शाखा स्थापित की और कृषि वानिकी को पुरे बिहार में फ़ैलाने की योजना बनाई I कृषि वानिकी क्षमता विकास योजना के माध्यम से वानिकी अनुसन्धान एवं प्रसार केंद्र, पटना द्वारा अनुभवी तकनिकी अधिकारियो की नियुक्ति की गयी, जिन्होंने गाँव-गाँव में लगभग 1050 स्थानीय स्तर पर कृषि वानिकी की तकनीक और उनसे होने वाले लाभ से सम्बंधित प्रशिक्षण दिए। इस योजना में केंद्र द्वारा 140 “किसान प्रशिक्षण यात्रा” का आयोजन किया गया, जिसमे 25-30 किसानो के समूह को विशेष प्रशिक्षण के लिए उत्तराखंड के वन प्रशिक्षण अकादमी, हल्द्वानी(नैनीताल), गोबिंद बल्लभ पन्त कृषि विश्वविधालय, पन्त नगर, झाँसी के राष्ट्रिय कृषि वानिकी अनुसन्धान केंद्र भेजे गये जिसमे पूरे बिहार के लगभग 3500 किसानो को भेजा गया।

वर्तमान में वानिकी अनुसन्धान एवं प्रसार केंद्र हाजीपुर के जदुआ में बिहार के कृषको के लिए कृषि वानिकी से जुड़े नए पौधे की प्रजातियो पर शोध कार्य किये जा रहे है I इस केंद्र पर पॉप्लर, अलमस, सैलिक्स, मालाबार नीम, कैजुरिना आदि पौधो पर शोध कार्य किये जा रहे है I इस केंद्र में स्थापित बम्बू कॉमन फैसिलिटी सेण्टर में बांस से अगरवती-स्टिक, चटाई बनाने के उपयोगी यंत्रो को लगाया गया, जिसमे बांस से जुड़े कारीगरों के लिए कुटीर उद्योग का प्रशिक्षण दिया जाता है I वर्ष 2021 में इस केंद्र द्वारा पॉप्लर के नए 5 क्लोनो को विकसित किया गया। इस केंद्र द्वारा शीशम की रोगमुक्त क्लोनो को विकसित किया जा रहा है और साथ ही कदम्ब, गम्हार, नीम, सेमल, काला शीशम, बांस की उन्नत नर्सरी भी तैयार की गयी है।

आयोजित वृक्ष उत्पादक मेला सह हितधारक सम्मलेन की झलकियां

वन उत्पादकता संस्थान, रांची

एक दिवसीय वृक्ष उत्पादक मेला सह हितधारक सम्मलेन

21 सितम्बर 2022 को आयोजित “एक दिवसीय वृक्ष उत्पादक मेला सह हितधारक सम्मलेन” आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि गोबिंद बल्लभ पन्त कृषि एवं तकनीकी विश्वविधालय, पन्त नगर के प्रोफेसर डॉ. सलिल तिवारी एवं अन्य मंचासीन गणमान्यो द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में मंचासीन अतिथियों में वन उत्पादकता संस्थान, राँची के निदेशक डॉ. नितिन कुलकर्णी, अनुसन्धान समूह समन्वयक डॉ. योगेश्वर मिश्र, FREC, हाजीपुर के प्रभारी सह वैज्ञानिक डॉ. आदित्य कुमार, तिरहुत वन प्रमंडल के क्षेत्रीय मुख्य वन संरक्षक श्री अभय कुमार द्विवेदी एवं वन संरक्षक श्री एस. के. कर्ण विराजमान रहे। कार्यक्रम में बिहार के विभिन्न जिलों से आये कृषक बंधू, वन कर्मी, काष्ठ उद्योग के प्रबंधक आदि की उपस्थिति से कार्यक्रम सफलतापूर्ण सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम में अध्यक्षीय संबोघन करते हुए निदेशक डॉ. नितिन कुलकर्णी ने बिहार में कृषको के लिए चलाये गये समुदाय आधारित वन प्रबंधन एवं संरक्षण योजना एवं कृषि वानिकी क्षमता विकास योजना की सफलता और वर्तमान में केंद्र द्वारा किये जा रहे शोध कार्य से उपस्थित लोगो को अवगत कराया। केंद्र को “वन विज्ञानं केंद्र” के रूप में विकसित करने एवं बिहार के अन्य जिलो में भी वन विज्ञानं केंद्रकी स्थापना के प्रयासों की जानकारी दी ।वन विज्ञानं केंद्र की स्थापना से शोध कार्य में बढ़ोतरी और उनसे होने वाले आजीविका और आयवृधि की जानकारी को विस्तार पूर्वक जानकारी दी।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. सलिल तिवारी बिहार में हुए कृषि वानिकी कार्यो की सफलता की प्रशंसा करते हुए कृषि वानिकी से होने वाले प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष लाभों से कृषको को अवगत कराया। उन्होंने बताया की किस प्रकार उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा के किसान कृषि वानिकी को अपनाकर संभ्रांत बने और अपनी आय में निरंतर वृद्धि की। उन्होंने प्रेजेंटेशन के माध्यम से कम अवधि में तैयार होने वाले पौधो और उनकी रोपण तकनीक की जानकारी दी।

कार्यक्रम में क्षेत्रीय मुख्य वन संरक्षक श्री अभय कुमार द्वेदी ने केंद्र द्वारा चल रहे शोध कार्य को कृषको के लिए हितकारी बताया और केंद्र को बिहार सरकार से हरसंभव सहयोग करने का आश्वासन दिया।

आयोजित वृक्ष उत्पादक मेला सह हितधारक सम्मलेन की झलकियां

वन संरक्षक श्री कर्ण ने बिहार सरकार द्वारा चलाये जा रहे हरियाली मिशन के कार्यक्रमों से कृषको को जुड़ने और लाभान्वित होने का आग्रह किया।

वन उत्पादकता संस्थान, राँची के समूह समन्वयक (अनुसंधान) डॉ. योगेश्वर मिश्र बिहार में बांस की पैदाबार और उनसे होने वाली आय वृद्धि के उद्देश्य से उन्नत किस्म की बांस लगाने का आह्वाहन किया उन्होंने बांस की किस्मो की पहचान, रोपण और कटाई की विधि, उनसे होने वाले उत्पादों, बाजार और आय वृधि को प्रेजेंटेशन के माध्यम से कृषको को जानकारी दी।

वानिकी अनुसन्धान एवं प्रसार केंद्र हाजीपुर के प्रभारी सह वैज्ञानिक डॉ. आदित्य कुमार ने केंद्र में चल रहे पॉप्लर, अलमस, सैलिक्स, मालाबार नीम, कैजुरिना आदि पौधो पर शोध कार्य की जानकारी किसानो को दी और इन शोधो को बिहार के किसानो के लिए उपयोगी बताया। उन्होंने केंद्र द्वारा शोधित और विकसित पॉप्लर के 5 नए क्लोनो यथा आरम्भ, क्षितिज, रोहिणी, ख़ुशी और लक्ष्मी की जानकारी किसानो को दी। उन्होंने किसानो को नए क्लोनो को अपने कृषि फसलो के साथ लगाकर कम अवधि में लाभान्वित होने का आह्वाहन किया।

कार्यक्रम में बिहार और हरियाणा से आये काष्ठ उधोगो के संचालक और किसानो के बीच परिचर्चा का भी आयोजन किया गया। बिहार के किसान विजय कुमार पाण्डेय, राकेश कुमार, संजय कु. सिंह, शैलेन्द्र चौधरी, मनीष कु. सिंह आदि ने बिहार के वृक्ष उत्पादकों की समस्या के बारे में बताया जिसका निवारण यथा शीघ्र करने का आश्वासन गणमान्यो व उद्योगो के संचालको द्वारा दिया गया।

कार्यक्रम के अंत में डॉ. आदित्य कुमार ने उपस्थित कृषको, अतिथियों, उद्योगकर्मियों, प्रिंट एवं इलेक्ट्रोनिक मीडिया के प्रतिनिधियों और सहयोगियों को धन्यवाद ज्ञापित किया। चयनित किसानो को चादर (शाल), नारियल फल और रुद्राक्ष के पौधे देकर सम्मानित भी किया गया।

कार्यक्रम के उपरांत किसानो को हाजीपुर के जदुआ स्थित वानिकी अनुसन्धान एवं प्रसार केंद्र ले जाया गया जहाँ वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी श्री दिना नाथ पाण्डेय द्वारा केंद्र में चल रहे नुए-नए पौधो की प्रजातियों के शोध कार्य, विभिन्न तरह के औषधीय पौधे एवं बम्बू कॉमन फैसिलिटी सेण्टर में अगरवती-स्टिक और चटाई बनाने की यंत्रो का भौतिक प्रदर्शनी का अवलोकन कराया गया।

कार्यक्रम की सफलतापूर्वक आयोजन में केंद्र के तकनीकी अधिकारी संजीव कुमार, हृदेव्श शंकर विधार्थी, सुरेन्द्र कुमार, शशि कुमार, सुनील पासवान और वन उत्पादकता संस्थान, राँची के तकनीकी विशेषज्ञ सूरज कुमार, करम सिंह मुंडा, रंधीर कु. पाण्डेय आदि की भूमिका सराहनीय रही।

वन उत्पादकता संस्थान, रांची